MAHARAJA AGARSAIN PUBLIC SCHOOL
ASHOK VIHAR, PHASE -IV

Cambridge Assessment International Education

उस घर की छत कभी कमज़ोर नहीं होती
जिसके घर की नींव बुज़ुर्ग बने रहते हैं।

दादा-दादी/ नाना-नानी हमारे बचपन का ऐसा हिस्सा होते हैं, जिनसे दूर भले ही हो जाएं, लेकिन उनके साथ बिताया समय और उनसे जुड़ी यादें हमेशा हमारे साथ रहती हैं। इनका हमारे जीवन में विशेष स्थान होता है और इनके साथ बिताया हर समय कीमती होता है।

उन्हीं सुनहरी यादों को ताज़ा करते हुए छात्र अपने दादा-दादी/ नाना-नानी के साथ बिताए किसी भी यादगार पल को शेयर करेंगे।

मेरा बचपन (प्रस्तुतिकरण)

7.7.23 -11.7.23

प्री-प्राइमरी

कौशल - छात्र के द्वारा की गई प्रस्तुतिकरण से उनकी भाषा कौशल का विकास होगा।

ध्यान देने योग्य बातें-

1. बच्चे अपने दादा-दादी/ नाना-नानी में से किसी एक की भी बात/याद कर 4-5 पंक्तियों में वर्णन करेंगे और शुरुआत अपना परिचय देते हुए करेंगे जिसमें वह अपना नाम तथा अपनी कक्षा बताएंगे।

2. बच्चे सहायक सामग्री का प्रयोग कर सकते हैं।

क्या सीखेंगे-

1. छात्रों का आत्मविश्वास बढ़ेगा।
2. छात्रों को बुजुर्गो तथा उनके साथ बिताए समय का महत्व समझ आएगा ।

कक्षा अध्यापिका

International Dimension in Schools 2019-22